because the Leader of the House has said that he couldn't comment on it until and unless he got the full facts. Now, let us go ahead with the other work.

SHRI NILOTPAL BASU: But the point, Madam, is that they have made a number of wild allegations and those are all on record. ...*(Interruptions)*... Let those allegations be expunged from the record, and let only the comments of the Leader of the House be on record. Otherwise, many of the wild allegations they have made...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Okay. I have a suggestion. When the correct facts are placed before the House, if you think there are wild allegations and what they allege is not true, then they will be removed automatically. So, let the statement come.

SHRI NILOTPAL EASU: I have no problem with that.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Okay. Now, Mr. Moolchand Meena.

ATROCITIES AGAINST DALITS IN HARYANA

श्री मूल चन्द मीणा (राजस्थान)ः उपसभापति महोदया, हरियाणा में दलितों पर जो आज अत्याचार हो रहे हैं, उससे यह साबित हो रहा है कि वहां पर कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है । अभी थोड़े दिन पहले दुलीना के पुलिस स्टेशन पर पांच दलितों की हत्या कर दी गई और वह हत्या भी मजिस्ट्रेट, जिला कलेक्टर , पुलिस के बड़े बड़े अधिकारियों के सामने की गई और हत्या करने वाल लोग एक जातिवाद को बढ़ावा देने वाले हैं । फिर दुबारा इस प्रकार की हत्याएं की गई। इसके लिए सदन में चर्चा हुई, लेकिन उसके बाद भी हत्यारों के खिलाफ,कोई कार्रवाई नहीं हुई, न हरियाणा सरकार ने कोई कार्रवाई की और न ही गृह मंत्रालय ने कोई कार्रवाई की ।

इसके बाद, महोदया, दूसरी घटना कैथल जिले के हरसौली गांव में हुई । कुछ दलित लोग फरवरी के महीने में गुरु रविदास के जन्मदिन पर उनके मंदिर के अंदर के अंदर वहां भजन कीर्तन कर रहे थे । जातिवाद को बढ़ावा देने वाले लोगों ने उस मंदिर में घुसकर उन दलितों को मारा-पीटा । जब दलित लोग पुलिस में अपनी शिकायत करने गए तो जबरदस्ती उनको पकड़कर उनसे लिखा लिया गया कि हमारा कोई झगड़ा नहीं हुआ ।उसके दस दिन बात उन जातिवादी लोगों ने दलितों के मोहल्लों में जाकर हमला बोल दिया। घरों से महिलाओं , बच्चों , बुजुर्गों को निकाल-निकाल कर मारा पीटा और उनकी दुकानों, मकानों से सामान को लूट ले गए । इसके साथ ही उनकी जमीन पर कब्जा कर लिया , खेतों में खडी हुई फसल को काट लिया और उन लोगों को गांव से निकाल दिया। आज वे लोग जिला कैथल के अंदर कैम्प में रह रहे हैं । उस दौरान जो

40-50 लोग घायल हुए थे, उनमें से दो की मौत हो गई है। इनमें से एक रजनी नाम की महिला की डैथ हो गई है और एक यशवंत नाम के बच्चे की डैथ हो गई है ।

महोदया, इतना घिनौना अत्याचार वहां दलितों पर हुआ और एक जाति विशेष के लोगों ने इकट्ठा होकर वहां के 275 दलित परिवारों को गांव से निकाल दिया है। मैं आपके माध्यम से इस सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि उन दलितों की रक्षा के लिए, उनको वापस गांव में बसाने के लिए सरकार उन्हें पुलिस का संरक्षण दे और गांव में उनकी जिस जमीन-जायदाद और दुकानों पर कब्जा कर लिया गया है, वे उन्हें वापिस दिलायी जाएं ।

महोदया, यह सब एक जाति विशेष के संरक्षण में और वहां के विधायक के संरक्षण मे हुआ है । वहां के चीफ संसदीय सचिव का उन गुंडों को , उन असामाजिक तत्वों को प्रोटेक्शन है। उन्होंने तीसरी बार जब हमला किया तो उन विधायक और संसदीय सचिव ने जातिवादी लोगों को इकट्ठा करके एक्दम हमला कराया। आज कैथल में आकर उन दलितों को जबर्दस्ती लोग पकड़कर ले गए और उनसे कागज पर लिखवा लिया गया कि हमारा कोई झगड़ा नहीं हुआ है, न मारपीट हुई है, न कोई केस है जबकि 20 लोगों के खिलाफ एफ आईआर दर्ज हुई , दस लोगों का चालान किया गया, उसके बाद भी आज उनके सारे केसों को रफा-दफा कर दिया गया और वे दलित गांव से निकाल दिए गए, जिला हैडक्वार्टर में कैम्प में रह रहे हैं । ऐसे प्रदेश के अंदर दलितों और गरीबों का रहना बहुत दूभर हो गया है और मुझे लगता नहीं है कि वहां गरीबों को कोई संरक्षण भी है ।

इसलिए मैं इस सरकार से निवेदन करना चाहूंगा और मेरी यह प्रार्थना भी है कि इन दलितों को संरक्षण दिया जाए, इनको घरों में वापिस बसाकर पुलिस प्रोटेक्शन दिया जाए और जो भी हमलवार हैं उनके खिलाफ कार्रवाई कि जाए, कानूनी कार्रवाई करके उनको दंडित किया जाए ।

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN (Kerala): Madam, I associate myself with it. ...*(Interruptions)*...

SHRI RAJU PARMAR (Gujarat): Madam, I also associate myself with this. ...*(Interruptions)*,..

मैडम, जो लोग घायल हुए थे, उनको हास्पिटलाइज़ किया गया है, उनको कोई मुआवजा नहीं दिया गया है । उनके घरों में जो भी लूटपाट की गई है, उसका भी आज तक सरकार की तरफ से, राज्य सरकार की तरफ से, कोई मुआवजा नहीं दिया गया है । हमारी आपसे गुजारिश है कि केन्द्र सरकार के जरिए राज्य सरकार को इत्तिला दी जाए कि पहले उनको मुआवजा दिया जाए । मेडिकल ट्रीटमेंट में उन्होंने जो खर्च किया है, वह खर्च भी उन्हें दिया जाए और ऐसे मामलों में सरकार की तरफ से जो भी मुआवजा दिया जाता है , वह भी उन्हें दिया जाना चाहिए ।

दूसरी एक और बहुत गंभीर बात यह है कि जब पुलिस केस हुआ तो यह ऐट्रोसिटी एक्ट के तहत दर्ज हुआ था लेकिन जैसा हमारे माननीय सांसद, श्री मीणा जी ने बताया कि वहां के जो विधायक हैं उन्होंने पुलिस वाले पर दवाब डालकर जो केस ऐट्रोसिटी एक्ट के तहत दर्ज हुआ था, उसमें से ऐट्रोसिटी एक्ट का कालम निकलवा दिया है । यह भी बहुत गंभीर मामला है, जिसमें पुलिस और विधायक दोनों ने मिलकर यह साजिश की है । तो इसके बारे में भी कार्रवाई होनी चाहिए ।

SHRI DINESH TRIVEDI (West Bengal): Madam, I associate myself... *(Interruptions)...*

SHRI PRASANTA CHATTERJEE (West Bengal): How are they totally silent now? *...(Interruptions)...*

श्री गांधी आज़ाद (उत्तर प्रदेश)**:** महोदया, मैं भी अपने आपको श्री मूल चन्द मीणा जी से संबद्ध् करता हूं ।

श्री जीवन राय (पश्चिमी बंगाल)**:** मैडम, हरियाणा में स्थिति बहुत भयंकर है । ...(व्यवधान)**...** वहां गरीब मजदूरों का काम करना असंभव है । हरियाणा में जंगल राज चल रहा है ।...(व्यवधान)**...**

Something has to be done by the Government. *...(Interruptions)...* I know people are being killed. *...(Interruptions)...*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. I have heard about enough atrocities in this House today. *...((Interruptions)...*

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN: What is the response of the Government? *...(Interruptions)...*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Everybody, including the Chair condemns any atrocities...

SHRI JIBON ROY: What is the response of the Government? *...(Interruptions)...*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, please sit down. *(Interruptions)...*

अभी यह बात खत्म हो गई है ।

2.00 P.M

श्री नंदी येल्लैया (आन्ध्र प्रदेश): महोदया, आजादी के इतने साल के बाद भी अनुसूचित जाति के ऊपर इस तरह से अत्याचार हो रहा है । तो पहले उनको वहां पर बसाया जाए, वहां पर उनके रहने के लिए कुछ इंतजाम तो किया जाना चाहिए ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: I agree with you. ...*(Interruptions)*... Now, I have to give one direction that we will have lunch hour. Mr. Vijayaraghavan, you can speak after lunch hour so that you don't break your speech.

श्री जीवन राय : मैडम, आप चेयर की तरफ से कुछ डायरेक्शंस दीजिए ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Okay; I have said it. I have already given instructions. The House is adjourned till 2 o'clock for lunch.

The House then adjourned for lunch at fifty-four minutes past twelve of the clock.

The House reassembled after lunch at two minutes past two of the clock, THE DEPUTY CHAIRMAN, in the Chair.

GOVERNMENT BILLS

The Appropriation (No.3) Bill, 2003

And

The Finance Bill, 2003 - Contd..

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, we shall take up the Appropriation (No.3) Bill, 2003 and the Finance Bill, 2003. Mr. Vijayaraghavan, you are the only speaker from your Party. You have been allotted 23 minutes.

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN (Kerala): Madam Deputy Chairperson, I thank you for giving me this opportunity to speak. Madam, we are discussing the Finance Bill and the Appropriation Bill. At the outset, I would like to say something about the tall claims of the Government and "what happens in practice. Madam, at the time of the Budget Speech, the